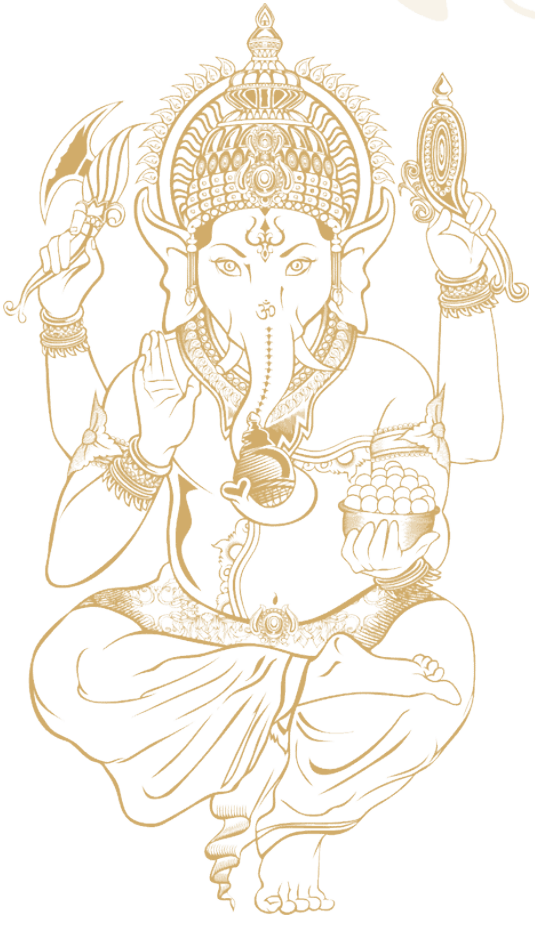

Mr. Madhu bhaiy

25 Apr 1957

04:23 AM

Katni

Model: web-freekundliweb

Order No: 119515102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/04/1957**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:23:55 घंटे**
इष्ट	56:49:51 घटी
स्थान	**Katni**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	80:29:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:08:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:15:51 घंटे
वेलान्तर	00:01:49 घंटे
साम्पातिक काल	18:26:38 घंटे
सूर्योदय	05:39:58 घंटे
सूर्यास्त	18:33:00 घंटे
दिनमान	12:53:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:12:43 मेष
लग्न के अंश	15:41:30 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ब्रह्म
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सी-सीताराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:41:30	483:15:36	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मेष	11:12:43	00:58:25	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	13:56:06	11:55:23	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			मिथु	00:39:12	00:37:41	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मेष	26:10:41	00:01:33	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	सम राशि
गुरु	व		सिंह	29:26:47	00:04:16	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शुक्र		अ	मेष	13:54:57	01:14:07	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	20:13:55	00:02:55	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	शत्रु राशि
राहु	व		तुला	26:30:19	00:02:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	26:30:19	00:02:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	मित्र राशि
हर्ष			कर्क	09:41:42	00:00:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
नेप	व		तुला	07:52:53	00:01:38	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		सिंह	04:42:50	00:00:26	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	12:51:00	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:15:51

लग्न-चलित

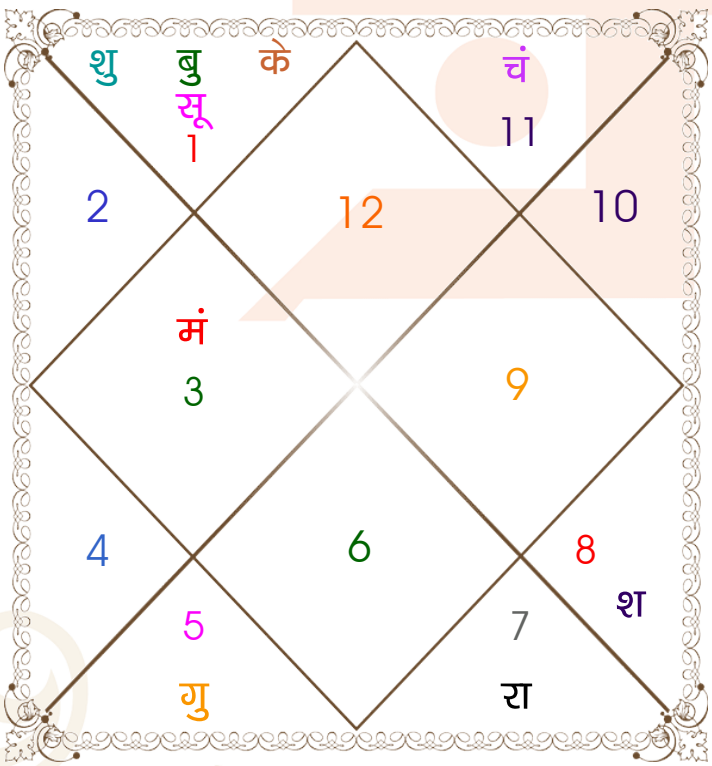

चन्द्र कुंडली

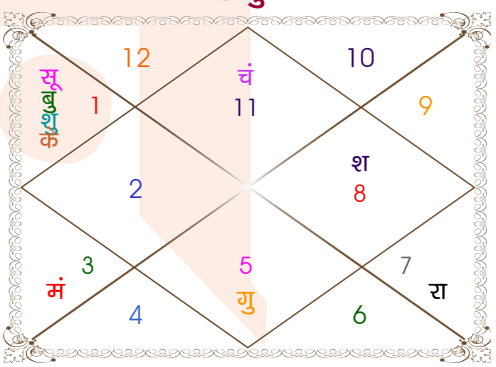

नवमांश कुंडली

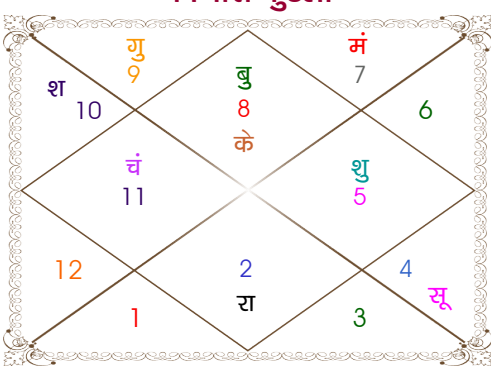

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 2 मास 7 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/04/1957		02/07/1965		02/07/1981		02/07/2000		02/07/2017	
02/07/1965		02/07/1981		02/07/2000		02/07/2017		02/07/2024	
	00/00/0000	गुरु	20/08/1967	शनि	05/07/1984	बुध	29/11/2002	केतु	28/11/2017
	00/00/0000	शनि	03/03/1970	बुध	15/03/1987	केतु	26/11/2003	शुक्र	28/01/2019
	25/04/1957	बुध	08/06/1972	केतु	23/04/1988	शुक्र	26/09/2006	सूर्य	05/06/2019
बुध	01/01/1958	केतु	15/05/1973	शुक्र	24/06/1991	सूर्य	02/08/2007	चंद्र	04/01/2020
केतु	19/01/1959	शुक्र	14/01/1976	सूर्य	05/06/1992	चंद्र	01/01/2009	मंगल	02/06/2020
शुक्र	19/01/1962	सूर्य	01/11/1976	चंद्र	04/01/1994	मंगल	29/12/2009	राहु	20/06/2021
सूर्य	14/12/1962	चंद्र	03/03/1978	मंगल	13/02/1995	राहु	17/07/2012	गुरु	27/05/2022
चंद्र	14/06/1964	मंगल	07/02/1979	राहु	20/12/1997	गुरु	23/10/2014	शनि	06/07/2023
मंगल	02/07/1965	राहु	02/07/1981	गुरु	02/07/2000	शनि	02/07/2017	बुध	02/07/2024

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
02/07/2024		02/07/2044		02/07/2050		02/07/2060		03/07/2067	
02/07/2044		02/07/2050		02/07/2060		03/07/2067		00/00/0000	
शुक्र	01/11/2027	सूर्य	20/10/2044	चंद्र	03/05/2051	मंगल	28/11/2060	राहु	15/03/2070
सूर्य	01/11/2028	चंद्र	20/04/2045	मंगल	02/12/2051	राहु	17/12/2061	गुरु	07/08/2072
चंद्र	02/07/2030	मंगल	26/08/2045	राहु	02/06/2053	गुरु	23/11/2062	शनि	14/06/2075
मंगल	02/09/2031	राहु	21/07/2046	गुरु	02/10/2054	शनि	01/01/2064	बुध	25/04/2077
राहु	01/09/2034	गुरु	09/05/2047	शनि	02/05/2056	बुध	29/12/2064		00/00/0000
गुरु	02/05/2037	शनि	20/04/2048	बुध	02/10/2057	केतु	27/05/2065		00/00/0000
शनि	02/07/2040	बुध	24/02/2049	केतु	03/05/2058	शुक्र	27/07/2066		00/00/0000
बुध	03/05/2043	केतु	02/07/2049	शुक्र	01/01/2060	सूर्य	02/12/2066		00/00/0000
केतु	02/07/2044	शुक्र	02/07/2050	सूर्य	02/07/2060	चंद्र	03/07/2067		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 2 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाता है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करता है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करता है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगे। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगे।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर लिए तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकते हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगे। परंतु आपको अपने फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करतें रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक प्यारी पत्नी आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगे।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर लिए तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगे। आप सर्वथा अपने मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगे। लेकिन आप सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रहे तो एक सफल गायक कलाकार हो सकते हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकते हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि के व्यक्ति हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखते हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करते रहे तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगे।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहते हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।